

डॉ. टिबेरियस राटा, ओल्ड टेस्टामेंट थियोलॉजी, सत्र 8, वाचा के पालनकर्ता के रूप में ईश्वर और उद्धार के दाता के रूप में ईश्वर

© 2024 टिबेरियस राटा और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. टिबेरियस राटा द्वारा ओल्ड टेस्टामेंट थियोलॉजी पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 8 है, वाचा पालनकर्ता के रूप में परमेश्वर और उद्धार के दाता के रूप में परमेश्वर।

आज, हम वाचा पालनकर्ता के रूप में परमेश्वर और उद्धार के दाता के रूप में परमेश्वर के बारे में बात करने जा रहे हैं।

बाइबल सिखाती है कि परमेश्वर सिर्फ वाचा बनाने वाला नहीं है। वह वाचा को बनाए रखने वाला है। मैं आपको उन वाचाओं से तीन उदाहरण दूँगा जिनके बारे में हम पहले ही बात कर चुके हैं। उदाहरण के लिए, अब्राहमिक वाचा में, परमेश्वर ने अब्राहम से वादे किए थे।

हमने महान नामों, महान राष्ट्रों और महान भूमि के बारे में बात की, लेकिन साथ ही कुछ शर्तें, दायित्व भी थे, आप उन्हें जो भी नाम देना चाहें। हम देखते हैं कि अब्राहम और उसके बाद के लोगों ने इनमें से कुछ वाचा दायित्वों या शर्तों को तोड़ा। अध्याय 17, पद 1 में, परमेश्वर अब्राहम से कहता है, मेरे सामने चलो और निर्दोष बनो।

क्या अब्राहम निर्दोष था? नहीं। हमें याद आता है कि जे.ए. सैंडर्स ने क्यों कहा था कि बाइबिल के पात्र नैतिकता के चित्र नहीं हैं; वे पहचान के दर्पण हैं। हम उनमें खुद को देख सकते हैं।

हम देखते हैं कि अध्याय 12 में भी अब्राहम ने सारा के अपनी बहन होने के बारे में झूठ बोला था और अब अध्याय 20 में भी उसने ऐसा ही किया है। हर बार हम देखते हैं कि यह परमेश्वर ही है जो वाचा को बनाए रखने के लिए हमारी गड़बड़ी में हस्तक्षेप करता है। इसलिए, वह अबीमेलक के सामने प्रकट होता है, वह अब्राहम द्वारा बनाई गई गड़बड़ी में हस्तक्षेप करता है।

इसलिए, हम देखते हैं कि परमेश्वर केवल वाचा बनाने वाला परमेश्वर नहीं है, बल्कि वह उस वाचा का पालनकर्ता भी है। परमेश्वर रात को स्वप्न में अबीमेलक के पास आया और उससे कहा, देख तू मरा हुआ आदमी है, यदि परमेश्वर तुझसे ऐसा कहता है, तो तुझे शायद ध्यान देना चाहिए।

वह कहता है कि जिस स्त्री को तुमने अपना लिया है, वह एक पुरुष की पत्नी है, और फिर, बेशक, परमेश्वर अबीमेलक के जीवन को बख्श देता है। यहाँ, हम एक उदाहरण देखते हैं जिसमें परमेश्वर वाचा को बनाए रखता है। दूसरा उदाहरण खतने से संबंधित है।

इसके अलावा, अध्याय 17 में, परमेश्वर वाचा का चिन्ह कहता है, इस मामले में, खतना। नूह के साथ वाचा के मामले में, वाचा का चिन्ह इंद्रधनुष था। अब्राहमिक वाचा के चिन्ह में, वाचा का चिन्ह खतना है।

और फिर, यह वैकल्पिक नहीं था। यह वैकल्पिक नहीं था, और हम इसे निर्गमन 4 के इस प्रकरण में देखते हैं जब परमेश्वर ने मूसा को उद्धारकर्ता के रूप में चुना, जैसा कि हम निर्गमन 3 के जलती हुई झाड़ी के प्रकरण में देखते हैं। अध्याय 4 में, हम इस बहुत ही रोचक पेरिकोप को पढ़ते हैं।

रास्ते में एक विश्राम-स्थल पर यहोवा मूसा से मिला और उसे मार डालना चाहा। तब सिप्पोरा ने एक चकमक पत्थर लिया और अपने बेटे की खलड़ी काटकर मूसा के पाँवों को छूकर कहा, “निश्चय ही तू मेरे लिए खून का दूल्हा है।” इसलिए मूसा ने उसे छोड़ दिया।

तभी उसने खतने के कारण खून का दूल्हा कहा। तो फिर, हमारे पास आज्ञा है; हमारे पास मूसा है जो इसका पालन नहीं करता, और फिर हम देखते हैं कि परमेश्वर हस्तक्षेप करता है और उसे अकेला छोड़ देता है। और परमेश्वर वाचा को बनाए रखता है जैसा कि उसने पहले अब्राहम के साथ किया था।

इसलिए परमेश्वर केवल वाचा बनाने वाला परमेश्वर नहीं है; वह वाचा को बनाए रखने वाला परमेश्वर है। यह परमेश्वर ही है जो वाचा को बनाए रखता है। वह हमारी गड़बड़ियों में हस्तक्षेप करता है।

यही बात मूसा की वाचा के साथ भी हो रही है। हम सभी दस आज्ञाओं को पढ़ सकते हैं और देख सकते हैं कि इस्राएल के बच्चों ने इस वाचा को कैसे तोड़ा है। मैं यहाँ सिर्फ़ दो उदाहरण दे रहा हूँ।

मेरे सिवा तुम्हारे पास कोई और देवता नहीं होना चाहिए। परमेश्वर उनके साथ वाचा बाँधता है, और अगर हम निर्गमन अध्याय 24 में पढ़ते हैं, तो हम वास्तव में वाचा की पुष्टि होते हुए देखते हैं। यहोवा कहता है कि मैं करता हूँ, लोग कहते हैं कि हम करते हैं, हम आज्ञा मानेंगे।

और दिलचस्प बात यह है कि उसके ठीक बाद, हम उन्हें एक सोने के बछड़े की पूजा करते हुए देखते हैं। किसी ने इसे इस तरह से बताया। यह पाप कितना गंभीर था? सोने के बछड़े का यह पाप एक जोड़े के हनीमून पर जाने जैसा होगा, और विवाह को पूरा करने के बजाय, पति कहता है, ओह, आज रात मैं एक वेश्या के साथ सोने जा रहा हूँ।

मूलतः, पाप की गंभीरता यही थी। ऐसा ही था। क्योंकि उन्होंने बस इतना कहा कि मैं करता हूँ।

और फिर इस्राएल के बच्चे जाकर एक सुनहरे बछड़े की पूजा करते हैं। परमेश्वर हारून से कहता है, जो हमारे आगे चलेगा। और परमेश्वर वास्तव में लोगों को नष्ट करना चाहता है।

लेकिन मूसा ने हस्तक्षेप किया, और मूसा ने लोगों के लिए मध्यस्थता की, और फिर बाइबल कहती है कि परमेश्वर ने उनके साथ जो करने जा रहा था, उससे पछताया। प्रभु ने उस विपत्ति से पछताया, जिसके बारे में उसने अपने लोगों पर लाने की बात कही थी। तब मूसा मुड़ा और पहाड़ से नीचे चला गया।

यदि आप इस्राएल के इतिहास को देखें, तो आप देखेंगे कि कैसे वे बार-बार इस वाचा को तोड़ते हैं। वे दूसरे देवताओं की पूजा करते हैं, और वे मूल रूप से आध्यात्मिक व्यभिचार करते हैं। यिर्मयाह 11 में, परमेश्वर लोगों से कहता है कि उन्होंने यिर्मयाह 11 में वाचा के इस भाग को कैसे तोड़ा है।

वे अपने पूर्वजों के अधर्म के कामों की ओर फिर गए हैं जिन्होंने मेरे वचनों को सुनने से इनकार कर दिया था। वे देवताओं की सेवा करने के लिए उनके पीछे चले गए हैं। इस्राएल और यहूदा के घराने ने मेरी वाचा को तोड़ दिया है जो मैंने उनके पूर्वजों के साथ बाँधी थी।

इसलिए, प्रभु यह कहता है, देखो, मैं उन पर ऐसी विपत्ति लाने जा रहा हूँ जिससे वे बच नहीं सकते। चाहे वे मेरी दुहाई दें, मैं उनकी नहीं सुनूँगा। और फिर भी, यह परमेश्वर ही है जो उन्हें एक नई वाचा बनाकर और देकर वाचा को बनाए रखता है।

और यह कहता है, आप देखिए, पत्थर की पट्टियों पर लिखे गए कानून को तोड़ा जा सकता है। चर्मपत्र पर लिखे गए कानून को आग में जलाया जा सकता है। यिर्मयाह ने राजा को कानून दिया, राजा ने उसे आग में फेंक दिया।

लेकिन व्यवस्था हृदय पर लिखी होती है; इसे कौन हटा सकता है? कोई भी नहीं। तो यही नई वाचा के वादे की खूबसूरत बात है। अब, पवित्र आत्मा के माध्यम से, परमेश्वर हमारे हृदय पर व्यवस्था लिखता है ताकि हम देख सकें कि परमेश्वर हमेशा हमारी परेशानियों में हस्तक्षेप करता है।

भले ही हम वाचा तोड़ते हैं, लेकिन वही है जो वाचा को बनाए रखता है। अब्राहम के मामले में यह सच था। मूसा के मामले में भी यह सच है।

यह दाऊद के मामले में सच है। याद रखें, परमेश्वर ने एक शाश्वत राजत्व और शाश्वत प्रेम का वादा किया था। लेकिन फिर से, बातचीत में, सुलैमान के साथ परमेश्वर के संचार में, कुछ अगर खंड थे, बहुत महत्वपूर्ण खंड।

1 राजा 6 में, पद 11 से शुरू करते हुए। अब, यहोवा का वचन सुलैमान के पास इस भवन के विषय में आया जिसे तुम बना रहे हो। यदि तुम मेरी विधियों पर चलोगे और मेरे नियमों को मानोगे और मेरी सब आज्ञाओं को मानोगे और उनके अनुसार चलोगे, तो मैं अपना वह वचन जो मैंने तुम्हारे पिता दाऊद से कहा था, पूरा करूँगा, और मैं इस्राएलियों के बीच निवास करूँगा जो मेरी प्रजा इस्राएल को न त्यागेंगे।

यदि आपके पास ये सभी if क्लॉज हैं। अध्याय 8 में भी यही बात है। याद रखें, परमेश्वर सुलैमान के सामने एक बार नहीं बल्कि दो बार प्रकट होता है। और फिर, if क्लॉज बहुत महत्वपूर्ण हैं।

अब हे इस्राएल के परमेश्वर, अपने दास मेरे पिता दाऊद के लिए जो वचन तूने दिया था, उसे पूरा कर, कि इस्राएल के सिंहासन पर मेरे सामने बैठने के लिए तेरे पास एक आदमी की कमी नहीं होगी, बशर्ते कि तेरे बेटे मेरे सामने अपने चालचलन पर ध्यान दें, जैसे तू मेरे सामने चलता आया

है। दूसरे शब्दों में, सुलैमान जानता है कि परमेश्वर क्या चाहता है। दुर्भाग्य से, सुलैमान लगातार और व्यवस्थित रूप से परमेश्वर की अवज्ञा करता है।

और वैसे, यह अध्याय 11 में शुरू नहीं होता है। यह वास्तव में अध्याय 3 में फिरौन की बेटी से शादी करने के साथ शुरू होता है। जो, वैसे, एक शानदार सैन्य रणनीति है।

समस्या यह है कि यह भगवान के कानून के खिलाफ था जिसमें कहा गया था कि आपको इन लोगों के साथ विवाह नहीं करना चाहिए। और, ज़ाहिर है, 1 राजा का अध्याय 11। अब सुलैमान, राजा सुलैमान, फिरौन की बेटी सहित कई विदेशी महिलाओं से प्यार करता था।

मोआबी, अम्मोनी, एदोमी, सीदोनी और हिती स्त्रियाँ उन जातियों में से थीं जिनके विषय में यहोवा ने इस्राएल के लोगों से कहा था, “तुम उनसे विवाह न करना, और न वे तुम्हारे साथ विवाह करें, क्योंकि वे निश्चय ही तुम्हारा मन अपने देवताओं की ओर फेर देंगी।” सुलैमान इनसे प्रेम में लिपटा रहा। उसकी 700 पत्नियाँ, राजकुमारियाँ और 300 रखैलें थीं।

यहाँ समस्या यह है कि परमेश्वर अंतरजातीय विवाहों के बारे में बात नहीं कर रहा है। समस्या अंतरधार्मिक विवाहों की है। यहाँ कहा गया है, और उसकी पत्नियों ने उसका दिल बहला दिया।

यही समस्या है। समस्या व्यक्ति की जातीयता नहीं है। समस्या इन महिलाओं की आस्था है।

और वाचा मूलतः अवज्ञा के द्वारा ही तोड़ी जाती है। लेकिन फिर से, हम देखते हैं कि परमेश्वर इस मामले में अपने पुत्र यीशु को भेजकर वाचा में हस्तक्षेप करता है, उसे पूरा करता है और उसे बनाए रखता है। फिर से, लूका का सुसमाचार स्पष्ट रूप से दिखाता है कि यह यीशु के माध्यम से ही है कि दाऊद को दिए गए वादे पूरे होते हैं।

फिर से, लूका 2, लूका अध्याय 1 वास्तव में लूका अध्याय 1 में मरियम के साथ संचार में शुरू होता है। स्वर्गदूत मरियम से कहता है, देख, तू गर्भवती होगी और एक पुत्र को जन्म देगी, और तू उसका नाम यीशु रखना। वह महान होगा और परमप्रधान का पुत्र कहलाएगा, और प्रभु उसे उसके पिता दाऊद का सिंहासन देगा।

तो, यह यीशु ही है जिसके माध्यम से परमेश्वर दाऊद के साथ की गई वाचा को बनाए रखता है। यह वही बात है जो पतरस पिनतेकुस्त के दिन करता है जब वह उपदेश देता है और कुछ भजन उद्धृत करता है, और वह चाहता है कि लोग समझें कि वह दाऊद के बारे में बात नहीं कर रहा है। भजन, ये भविष्यवाणियाँ दाऊद के बारे में नहीं थीं, बल्कि मसीहा, अर्थात् यीशु के बारे में थीं, और यही बात हमें अध्याय 2 में मिलती है। दूसरों के लिए, मैं आपको कुलपति दाऊद के बारे में विश्वास के साथ कह सकता हूँ कि वह मर गया और उसे दफनाया गया, और उसकी कब्र आज भी हमारे साथ है।

इसलिए, एक भविष्यवक्ता होने के नाते और यह जानते हुए कि परमेश्वर ने उससे शपथ लेकर कहा है कि वह उसके वंशजों में से किसी एक को उसके सिंहासन पर बिठाएगा, उसने मसीह के पुनरुत्थान के बारे में पहले से ही भविष्यवाणी की और बात की, फिर से मसीहा के लिए यूनानी

शब्द, कि उसे अधोलोक में नहीं छोड़ा गया और न ही उसके शरीर ने सड़न देखी। यही वह है जिसे यीशु परमेश्वर ने जीवित किया, और हम सभी इसके गवाह हैं। इसलिए फिर से, हम परमेश्वर को हस्तक्षेप करते हुए देखते हैं, और जो परमेश्वर वाचा बनाता है वही उसे बनाए रखता है।

हम अब्राहम, मूसा और दाऊद के मामले में यही देखते हैं। हमें इस परमेश्वर पर भरोसा और भरोसा करने की ज़रूरत है जो न सिर्फ़ वाचा बनाता है बल्कि अपनी कृपा से उसे बनाए रखता है। अंत में, हमें उद्धार देने वाले परमेश्वर के बारे में बात करने की ज़रूरत है।

देखिए, जब हम पुराने नियम में उद्धार के बारे में बात करते हैं, तो शब्द का पहला संबंध मृत्यु से बचने और शत्रुओं से मुक्ति से है, भले ही यह अभी तक यीशु मसीह की ओर इशारा न करता हो। इसलिए, यह महत्वपूर्ण है, और हमने इसे देखा जब हमने उदाहरण के लिए भजनों को देखा। इसलिए, जब भजनकार उद्धार मांग रहा है, तो वह मृत्यु से मुक्ति मांग रहा है।

निर्गमन 15 में, निर्गमन की घटना के बाद, मूसा के गीत में, गीत कहता है, प्रभु मेरी शक्ति और मेरा गीत है। वह मेरा उद्धार बन गया है। खैर, कौन सा उद्धार? खैर, मृत्यु से। भगवान ने उन्हें समुद्र में जाने दिया और मिस्र की सेना द्वारा मारे जाने से बचाया।

तो यहाँ, उद्धार का सीधा अर्थ मृत्यु से मुक्ति है। वह मेरा परमेश्वर है, और मैं उसकी स्तुति करूँगा, मेरे पिता का परमेश्वर, और मैं उसकी स्तुति करूँगा। तो, यह समान नहीं है; मैं चाहता हूँ कि हम समझें कि यहाँ उद्धार शब्द नए नियम की अवधारणा के समान नहीं है।

वे समान हैं; दोनों के बीच समानताएँ हैं, लेकिन वे समान नहीं हैं। भजन 14:7. इस्राएल के लिए सारा उद्धार सिथ्योन से आएगा। जब लोगों ने उसके लोगों का भाग्य बहाल किया, तो याकूब खुश हुआ, और इस्राएल भी खुश था।

फिर से, यहाँ फिर से, यह मृत्यु से मुक्ति है। प्रभु मेरा प्रकाश और मेरा उद्धार है। मुझे किससे डरना चाहिए? फिर से, यह मृत्यु से मुक्ति है। यिर्मयाह 3, निश्चय ही पहाड़ियों और पहाड़ों पर मूर्तिपूजकों का शोरगुल धोखा है।

निश्चय ही, हमारे परमेश्वर यहोवा में इस्राएल का उद्धार है। योना वास्तव में भजन संहिता से, मछली के पेट से, उद्धार दे रहा है, जब वह कहता है कि उद्धार प्रभु से आता है। कौन सा उद्धार? वह मृत्यु से उद्धार के बारे में सोच रहा है, जिसकी ओर वह मूल रूप से जा रहा था।

लेकिन जब हम उद्धार की बात करते हैं, तो इसका एक भविष्य का पहलू भी है। उद्धार की एक भविष्य की आशा है। हम इसे भविष्यवक्ताओं में देखते हैं।

इस्राएल को प्रभु द्वारा अनंत उद्धार के साथ बचाया जाएगा। ठीक है, तो अब हमें न केवल मृत्यु से अस्थायी उद्धार का एहसास होता है, बल्कि उद्धार का एक अनंत, शाश्वत आयाम भी है। आपको कभी भी शर्मिंदा या अपमानित नहीं किया जाएगा।

यशायाह 52, 10. प्रभु अपनी पवित्र भुजा को सभी राष्ट्रों के सामने प्रकट करेगा, और पृथ्वी के सभी छोर हमारे परमेश्वर के उद्धार को देखेंगे। इसलिए, पुराने नियम के समय में, कभी-कभी परमेश्वर ने अपनी योजना को पूरा करने के लिए एक अभिषिक्त व्यक्ति, एक मसीहा का उपयोग किया।

खैर, नए नियम में, वह मसीहा अभिषिक्त व्यक्ति है, वह मसीहा जो यीशु है। लेकिन इस यीशु, इस मसीहा का वादा वास्तव में उत्पत्ति की पुस्तक में शुरू होता है। हम इसे प्रोटो-इवेंजेलियन, पहला सुसमाचार संदेश कहते हैं।

न्याय की भाषा में, परमेश्वर साँप से कहता है, "मैं तेरे और स्त्री के बीच में और तेरे वंश और उसके वंश के बीच में बैर उत्पन्न करूँगा। वह तेरा सिर कुचल देगा, और तू उसकी एड़ी को डसेगा।" और हम जानते हैं कि यह यीशु के बारे में बात कर रहा है।

इस बारे में दो मुख्य अंश हैं। एक गलातियों 3, 16 में है। यह वादा अब्राहम और उसकी संतान से किया गया है।

यह संतान से कई लोगों को संदर्भित नहीं करता है, बल्कि एक को संदर्भित करता है और आपके वंश को, जो मसीह है। और दूसरा 1 यूहन्ना 3, 8 में है। जो कोई भी चमकने का अभ्यास करता है वह शैतान का है, क्योंकि शैतान शुरू से ही पाप करता रहा है। परमेश्वर के पुत्र का प्रकट होना शैतान के कामों को नष्ट करने के लिए था।

तो, साँप को कुचलने वाला कोई और नहीं बल्कि यीशु मसीह है, जो मसीहा है। इसलिए ये मसीहाई भविष्यवाणियाँ बहुत, बहुत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि भले ही शुरुआत में वे स्पष्ट रूप से मसीह की ओर इशारा नहीं करती हैं, फिर भी, हमें बाइबल को दाएँ से बाएँ पढ़ने का लाभ है, इसलिए हम जानते हैं कि वे मसीह में कब पूरी होती हैं। और हम इसे नए नियम में स्पष्ट रूप से देखते हैं।

पुराने नियम में यह भी कहा गया है कि मसीहा लोगों को मुक्ति दिलाएगा, लेकिन उस तरह से नहीं जैसा हम कभी-कभी सोचते हैं, बल्कि यह सेवक वास्तव में एक पीड़ित सेवक है। और फिर, यही कारण है कि इस्राएल के लोगों को हमेशा यह नहीं मिला, क्योंकि उन्होंने एक योद्धा मसीहा की कल्पना की थी जो रोमियों को नष्ट करने और देश को आज़ाद कराने के लिए आएगा। लेकिन यशायाह 53 में, हमें एक अलग प्रकार का मसीहा दिखाया गया है।

वह उसके सामने एक युवा पौधे की तरह, सूखी ज़मीन से निकली जड़ की तरह बढ़ा हुआ। उसके पास कोई रूप या महिमा नहीं थी कि हम उसे देखें और कोई सुंदरता नहीं थी कि हम उसकी इच्छा करें। वैसे, यह क्रूस पर यीशु के बारे में बात नहीं कर रहा है।

यह यीशु के बारे में बात करना है, यीशु हर दिन। तो, आप जानते हैं, वह नहीं था, वह मूल रूप से, उसका चेहरा GQ के कवर पर नहीं था। वहाँ कुछ भी नहीं था, कोई रूप नहीं, कोई सुंदरता नहीं।

उन पर बहुत ज़्यादा मनोवैज्ञानिक दबाव था। याद कीजिए जब वे फरीसियों से बात कर रहे थे, और यीशु ने कहा, अब्राहम के होने से पहले मैं हूँ। वे कहते हैं कि तुम 50 साल के भी नहीं हो।

खैर, हम जानते हैं कि वह 30 साल का है, और फिर भी वह 50 साल या उसके आसपास का दिखता है। देखिए, उसमें यह सब है, और जब वह कहता है कि उसमें कोई रूप या महिमा नहीं थी कि हम उसे देखें, कोई सुंदरता नहीं थी कि हम उसकी इच्छा करें, तो यह क्रूस पर यीशु नहीं है। यह हर दिन यीशु है।

वह लोगों द्वारा तिरस्कृत और अस्वीकार किया गया था, वह दुःखी व्यक्ति था और दुःख से परिचित था, और ऐसा व्यक्ति था जिससे लोग अपना चेहरा छिपाते थे। वह तिरस्कृत था, और हमने उसका मूल्य नहीं समझा। निश्चय ही, उसने हमारे दुःखों को सहा है और हमारे दुःखों को उठाया है, फिर भी हमने उसे पीड़ित, ईश्वर द्वारा मारा गया और पीड़ित समझा।

लेकिन वह हमारे अपराधों के लिए घायल हुआ, वह हमारे अधर्म के लिए कुचला गया। उस पर वह दण्ड था जो हमें शांति प्रदान करता है, और उसके कोड़ों से हम चंगे हो जाते हैं। इसलिए मसीहा सभी लोगों के लिए उद्धार लाएगा, और अंत में, हमें यह बताता है।

इसलिए, मैं उसे बहुतों के साथ भाग दूंगा, और वह बलवानों के साथ लूट का माल बांटेगा क्योंकि उसने अपनी आत्मा को मृत्यु के लिए उंडेल दिया और वह अपराधियों के साथ गिना गया। फिर भी उसने बहुतों के पाप को उठाया और अपराधियों के लिए मध्यस्थता की। इसलिए मसीहा उद्धार लाएगा। मसीहा विनम्र होगा और उद्धार लाएगा।

जब यीशु तथाकथित विजयी प्रवेश में यरूशलेम में प्रवेश करते हैं, तो सुसमाचार लेखक जकर्याह से उद्धारण दे रहे हैं। हे सियोन की बेटी, बहुत आनन्द मनाओ! हे यरूशलेम की बेटी, जयजयकार करो! देखो तुम्हारा राजा तुम्हारे पास आता है, धर्मी और उद्धार वाला, नम्र और गधे पर सवार, एक गधी के बच्चे पर, गधे के बच्चे पर। तो यहाँ हम देखते हैं कि यीशु के लिए राजा की उपाधि खेल में आती है।

इसलिए, पुराने नियम में, मसीहा शब्द का अर्थ है किसी व्यक्ति को इस तरह से पद पर बिठाना जिससे उस व्यक्ति को यहोवा द्वारा मान्यता प्राप्त माना जा सके। इसलिए, मसीहा शब्द मशाच से आया है, जिसका अर्थ है धब्बा लगाना या अभिषेक करना। इसलिए, मसीहा का शाब्दिक अर्थ है अभिषेक व्यक्ति।

नए नियम में, मसीह शब्द, क्रिस्टोस, मसीहा का ग्रीक संस्करण है। इसलिए, जब भी आपके पास यीशु मसीह होता है, तो वह सचमुच यीशु मसीहा होता है, ठीक उसी तरह जैसे कि उसका ग्रीक संस्करण है। इसलिए, क्रिया का अर्थ फिर से अभिषेक करना या लेप करना है, जो अभिषेक तेल के विचार से आता है जिसे आप आमतौर पर पुजारियों या राजाओं का अभिषेक करते हैं।

फिर से, यह पुराने नियम के समय में, राजशाही से पहले और बाद में होता है। इसलिए, उदाहरण के लिए, मसीहा शब्द का इस्तेमाल चार बार पुजारियों और लैव्यव्यवस्था को संदर्भित करने के लिए किया गया है। पुजारियों का अभिषेक किया जाता था, इसलिए वे एक तरह से मसीहा थे।

1 और 2 शमूएल में राजाओं से लेकर शाही व्यक्तियों तक के लिए 18 बार इस्तेमाल किया गया है, और इनमें से आधे अंशों में मशीआच अडोनाई, प्रभु का अभिषिक्त या मसीहा, या प्रभु का अभिषिक्त वाक्यांश है। बेशक, इतिहास में दो बार, बाद के भविष्यवक्ताओं में पाँच बार। पहले में, भविष्यवक्ता 25 बार दिखाई देते हैं।

सभी अंश राजाओं के अभिषेक की बात करते हैं। और फिर, हमने बाद के भविष्यवक्ताओं में पाँच बार कहा। यशायाह ने अभिषिक्त व्यक्ति को संदर्भित करने के लिए क्रिया का उपयोग किया है, और दानिय्येल ने 70 सप्ताहों के उद्देश्य का वर्णन करने के लिए क्रिया का उपयोग किया है, जो परम पवित्र व्यक्ति के अभिषेक के लिए समय प्रदान करना था।

इसलिए, अभिषेक की पूरी घटना का उल्लेख करते हुए, पदनाम, चयन या चुनाव के कार्य यहाँ शामिल हैं। इसलिए, राजाओं का अभिषेक, भविष्यवक्ताओं का अभिषेक, और पुजारियों का अभिषेक कभी-कभी अभिषेक या अलग किए जाने का संदर्भ देता है। याद रखें, दाऊद के पास शाऊल को मारने का अवसर था, और उसके सेवक कहते हैं, अरे, तुम उसे मार सकते हो।

और दाऊद कहता है, ठीक है, मैं प्रभु के अभिषिक्त को नहीं छूऊंगा, जिसका मतलब है प्रभु का मसीहा। वह अलग रखा गया है। मेरे पास वह अधिकार नहीं है।

फिर से, क्रिया का अर्थ है आदेश देना या अधिकार प्रदान करना। चुने हुए लोगों को विशिष्ट कार्य सौंपे गए थे। फिर से, राजाओं के पास शासन करने का अधिकार था।

मूसा ने हारून और उसके बेटों का अभिषेक किया, उन्हें याजक के रूप में कार्य सौंपा, तथा भविष्यवक्ता के पद का अधिकार एलियाह से एलीशा को सत्ता के हस्तांतरण में देखा गया। अंततः, हमें उद्धार के दाता के रूप में यीशु, मसीहा को देखने की आवश्यकता है। मत्ती की वंशावली में, हमें बताया गया है कि अब्राहम से दाऊद तक 14 पीढ़ियाँ हैं, दाऊद से निर्वासन तक 14, तथा निर्वासन से मसीह तक 14 पीढ़ियाँ हैं।

और फिर, यूनानी शब्द क्राइस्ट हिब्रू में मसीहा है, अभिषिक्त व्यक्ति। जब यीशु अपने शिष्यों से पूछते हैं, तुम मुझे कौन कहते हो? शमौन जवाब देता है, तुम मसीहा हो। तुम मसीह हो, जीवित परमेश्वर के पुत्र।

लेकिन फिर भी, वह पूरी तरह से समझ नहीं पाया कि वह क्या कह रहा था, या वह वास्तव में यह नहीं समझ पाया कि यीशु किस तरह का मसीहा होगा। मुझे लगता है कि इस समय, पतरस ने अभी भी सोचा था कि यीशु वह योद्धा होगा जो रोमियों को नष्ट करने आएगा क्योंकि जब यीशु ने उनसे कहा कि मैं यरूशलेम जाकर मरने जा रहा हूँ, तो पतरस ने कहा, नहीं, ऐसा नहीं होना चाहिए। और फिर यीशु ने कहा, शैतान, मेरे पीछे हट जा।

उस व्यक्ति से क्या कठोर शब्द कहे गए जिसने अभी-अभी कहा, तू जीवितों का मसीह है, जीवित परमेश्वर का पुत्र है। पतरस को पूरी तरह समझ नहीं आया कि इसका क्या मतलब है, लेकिन वह जानता था कि यीशु ही मसीहा है। यूहन्ना 4 में, कुएँ पर स्त्री के साथ हुई घटना के बाद, यीशु कहते

हैं कि परमेश्वर आत्मा है, और उसके उपासकों को आत्मा और सच्चाई से आराधना करनी चाहिए।

स्त्री ने कहा, "मैं जानती हूँ कि मसीहा आ रहा है। जब वह आएगा, तो हमें सब कुछ बता देगा।" तब यीशु ने कहा, "मैं जो तुमसे बात कर रहा हूँ, वही हूँ।"

कुछ विद्वान मसीहाई रहस्य के बारे में बात करते हैं, कि यीशु को नहीं पता था कि वह मसीहा है और उसने किसी को नहीं बताया। खैर, ये आयतें इसका खंडन करती हैं। यीशु जानता था कि वह कौन है, और वह जानता था कि वह मसीहा है जो हमें बचाने आया है।

मसीहा वास्तव में उद्धार लाता है, क्योंकि सभी ने पाप किया है, पॉल लिखते हैं, और परमेश्वर की महिमा से रहित हैं और मसीहा, यीशु द्वारा आए छुटकारे के लिए उसकी कृपा से स्वतंत्र रूप से धर्मी ठहराए जाते हैं। रोमियों में जो दिलचस्प बात है वह यह है कि कभी-कभी आपके पास यीशु मसीह है; कभी-कभी आपके पास मसीह यीशु है। और कभी-कभी हम आश्चर्य करते हैं, ऐसा क्यों है? क्या यह सिर्फ शैलीगत है? खैर, ऐसा लगता है कि रोम में चर्च यहूदी विश्वासियों और गैर-यहूदी विश्वासियों के बीच विभाजित था, और कभी-कभी पॉल यीशु को मसीहा कहता है, और कभी-कभी वह मसीहा यीशु कहता है।

इसलिए, वह यीशु के बारे में जिस तरह से बोलता है, उसके ज़रिए वह चर्च को एकजुट करता है। आखिरकार, यह मसीहा पापों की क्षमा और अनंत जीवन देता है। क्योंकि परमेश्वर की मज़दूरी हमारे प्रभु मसीह यीशु में अनंत जीवन है।

मैं ब्रेवार्ड चाइल्ड्स के इस कथन के साथ अपनी बात समाप्त करने जा रहा हूँ, जो कहते हैं, "पारंपरिक ईसाई धर्म के लिए, ईसा मसीह का इसराइल के मसीहा से रिश्ता शायद ही कोई समस्याजनक था। क्या उत्पत्ति 3.15 से शुरू होने वाले पूरे पुराने नियम में एक राजा और उद्धारकर्ता के आने की भविष्यवाणी नहीं की गई थी, जो नासरत के यीशु में पूरी हुई? यह एक आलंकारिक प्रश्न है। बेशक, वह यीशु के बारे में बात कर रहे थे।

लेकिन हर कोई इसे स्वीकार नहीं करता। जब मैं 2005 में पहली बार इज़राइल गया था, तो हमारे पास एक रब्बी आया और हमसे बात की, और हमें सवाल पूछने थे। हमने उनसे यशायाह 53 के बारे में पूछा और पूछा कि क्या वे मानते हैं कि यीशु मसीहा थे।

और उन्होंने कहा, नहीं। उन्होंने कहा, हमारे लिए मसीहा एक मनःस्थिति है, निर्वाण की तरह। इसलिए, यह बहुत दिलचस्प है क्योंकि जब आप यीशु को एक व्यक्ति के रूप में अस्वीकार करते हैं, तो आपको इसे अलग-अलग तरीकों से व्याख्या करना पड़ता है।

तो, फिर हमने आगे जांच की। मैंने कहा, ठीक है, तो मंदिर के बिना, आप अपने पापों का प्रायश्चित कैसे कर सकते हैं? और उसने वास्तव में हमें होशे के पास भेजा, होशे 14, जो एक बहुत ही दिलचस्प श्लोक था। होशे 14:2 में, यह कहा गया है, अपने साथ शब्द लेकर प्रभु के पास लौट आओ।

उससे कहो, सारे अधर्म को दूर करो , जो अच्छा है उसे ग्रहण करो, और हम अपने होठों की मन्त्रों बैलों से चुकाएँगे। तो, वह कहता है, अब हम अपने होठों की मन्त्रों से अपने पापों का प्रायश्चित्त करते हैं। क्या यह सुविधाजनक नहीं है? कोई बलिदान नहीं, कोई खून नहीं बहाना।

और फिर भी बाइबल कहती है कि बिना खून बहाए पाप की क्षमा नहीं होती। यीशु उद्धारकर्ता है। सवाल यह है कि क्या यीशु आपका उद्धारकर्ता है? यही सवाल है।

यह डॉ. टिबेरियस रत्ता द्वारा ओल्ड टेस्टामेंट थियोलॉजी पर दिया गया शिक्षण है। यह सत्र 8 है, वाचा के पालनकर्ता के रूप में ईश्वर और उद्धार के दाता के रूप में ईश्वर।